पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः ज्येष्ठ 16, 1944
बुधवारः 08 जून 2022

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और उनके वियतनामी समकक्ष जनरल फान वान गियांग ने हनोई में द्विपक्षीय वार्ता की

रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए '2030 की ओर भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त परिकल्पना वक्तव्य' पर हस्ताक्षर किए गए

पारस्परिक रूप से लाभकारी रसद सहायता के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने हेतु समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने हनोई में 08 जून 2022 को वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान गियांग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने एवं क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों के लिए प्रभावी और व्यावहारिक पहलों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने '2030 की ओर भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त परिकल्पना वक्तव्य' पर भी हस्ताक्षर किए, जो मौजूदा रक्षा सहयोग के कार्यक्षेत्र और स्तर को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा।

दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में पारस्परिक रसद सहायता पर एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों के रक्षा बलों के बीच सहयोगपूर्ण संबंधों को बढ़ाने के इस समय में, पारस्परिक रूप से फायदेमंद रसद सहायता के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है और यह पहला ऐसा प्रमुख समझौता है जिस पर वियतनाम ने किसी देश यानि भारत के साथ हस्ताक्षर किए हैं।

दोनों मंत्रियों ने वियतनाम को दी गई 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर रक्षा लाइन को शीघ्र अंतिम रूप देने पर भी सहमति व्यक्त की। इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से वियतनाम की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की परिकल्पना को और आगे बढ़ाया जा सकेगा।

रक्षा मंत्री ने वियतनामी सशस्त्र बलों के क्षमता निर्माण के लिए वायु सेना अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल में भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की स्थापना के लिए दो सिमुलेटर और वित्तीय अनुदान देने की भी घोषणा की।

रक्षा मंत्री ने हनोई में दिवंगत राष्ट्रपति हो ची मिन्ह की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी आधिकारिक यात्रा शुरू की। उन्होंने बौद्ध धर्म के परम पूजनीय मंदिर ट्रान क्रोक

पगोडा का भी दौरा किया, जिससे दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी सभ्यता तथा लोगों के बीच संबंधों की पुष्टि हुई।

भारत और वियतनाम के बीच 2016 से एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है और रक्षा सहयोग इस साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है। वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत परिकल्पना में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देश का 2,000 से अधिक वर्षों का सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों का समृद्ध साझा इतिहास है। भारत और वियतनाम के बीच आधुनिक समय में हितों और साझा हितों पर व्यापक सहभागिता के साथ अत्यधिक भरोसेमंद संबंध बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा नीति संवाद, सैन्य से सैन्य आदान-प्रदान, उच्च स्तरीय यात्राएं, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सहयोग, पोत यात्राएं और द्विपक्षीय अभ्यासों सहित व्यापक संपर्कों को शामिल करने के लिए समय के साथ-साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का विस्तार हुआ है।

एबीबी/डीके/डीएस/आरपी